भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-117

उत्तर देने की तारीख- 28/07/2025

विजयवाड़ा स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में प्राध्यापकों की कमी

†*117. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विजयवाड़ा स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) में प्राध्यापकों के स्वीकृत 50 पदों में से 15 रिक्त हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन रिक्त पदों पर अंशकालिक, संविदात्मक या पुनर्नियुक्त प्राध्यापकों की सेवाएँ ली जा रही हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उपर्युक्त रिक्त पद छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण हैं;

(ङ.) क्या सरकार ने सभी केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों को एक वर्ष की अवधि के भीतर मिशन मोड पर रिक्तियों को भरने का निर्देश दिया है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एसपीए में उपरोक्त 15 पदों को भरे जाने की स्थिति क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (च): विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

*****

माननीय संसद सदस्य श्री बालाशौरी वल्लभनेनी द्वारा 'विजयवाड़ा स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में प्राध्यापकों की कमी' के संबंध में दिनांक 28.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 117 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) वर्तमान में एसपीए विजयवाड़ा में कुल 49 स्वीकृत पदों में से 08 संकाय पद रिक्त हैं। विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	पद का नाम	संस्वीकृत	भरे गए	रिक्त
1	प्रोफेसर	7	6	1
2	एसोसिएट प्रोफेसर	14	11	3
3	असिस्टेंट प्रोफेसर	28	24	4
कुल		**49**	**41**	**8**

(ग) और (घ) संकाय की भर्ती एक सतत प्रक्रिया है और पदोन्नति, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, मृत्यु आदि जैसे कारणों से रिक्तियाँ उत्पन्न होती हैं। वर्तमान में, अल्पकालिक शैक्षणिक और संस्थागत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सोलह योग्य संकायों को संविदा पर नियुक्त किया गया है। वर्तमान रिक्तियाँ मुख्यतः विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि के कारण नहीं हैं। एसपीए विजयवाड़ा एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई) होने के नाते एक अत्यंत कठोर और बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया अपनाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल मेधावी संकायों की ही भर्ती की जाए।

(ङ) और (च) अगस्त 2021 में, मंत्रालय ने सभी केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों को निर्देश जारी किए थे कि वे विशेष रूप से विशिष्ट श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को मिशन मोड में भरें। सितंबर 2022 में, सभी केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों से पुन: अनुरोध किया गया कि वे शेष सभी रिक्तियों को, विशेष रूप से आरक्षित श्रेणियों में, भरने के लिए इस मिशन मोड अभियान को तेज करें। सितंबर 2022 और जुलाई 2025 के बीच, इस मिशन मोड पहल के तहत केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों में कुल 16,507 संकाय और 11,943 गैर-संकाय, अर्थात कुल 28,450 भर्तियाँ की गई हैं। संस्थान ने इन निदेशों का तुरंत पालन किया और अपने भर्ती प्रयासों में तेजी लाते हुए 6 रिक्त पदों को भरा है।

*****